

संपादकीय

कोरोना काल का वैराग्य और सदाचार

कोरोना-लॉकडाउन चल रहा है। कई उद्योगों में हाहाकार है। शराबी शराब नहीं पी रहे हैं, पी रहे हैं, तो बहुत चोरी-भिंगे पी रहे हैं। अपने स्टाक की पी रहे हैं। बाजार बंद है, शराब की ढुकानें भी बंद हैं। सिगरेट, पान-मसाना इन दिनों परम लकड़ी आइटम हैं। ये कपड़े बदल कर जाऊं कहाँ और बाल बानऊं किस के लिए, वो शरदस तो शरद ही छाँ गया, मैं बाहर जाऊं किसलिएङ्क ख्याली नसिर काजीया साहब तो खाब तो ये पक्कि यां लिखी थीं। नसिर काजीया साहब यहीं अम्बाल में पैदा हुए थे, पर बंटवारे में पाकिस्तान चले गये थे। शायर-कवि दूर की दूरता लेते हैं। ये कपड़े पहनकर जाऊं कहाँ-टापू हलात आयेंगे, नासिर साहब ने बहुत पहले देख लिया था। नये कपड़े तो दूर पुरानी भी शृंखल-पैट क्यों पहनें, जाना कहाँ है। कहाँ नहीं आना है, कहाँ नहीं जाना है, कौन आयेगा, कौन जायेगा—ऐसे परम आध्यात्मिक भाव उठने लगे हैं। इम्फान वैराग्य का कंसेप्ट सबने सुना है, यानी इम्फान में जाकर लगभग हर बंदा वैराग्य की बात सोचने लग जाता है। अब कोरोना-वैराग्य हो रहा है। घर मोबाइल का भी व्यापक रूप डरो, मोबाइल बेंचर्कर डर की अतिरिक्त आपूर्ति न लें। शराब बंद, सिगरेट बंद, सिनेमा बंद, शारिंग माल बंद, ये कपड़े बंद, बंद इन दिनों सिर्फ सदाचार हो रहा है। पर सदाचार के अपने खाते रहते हैं। मेरे एप्पियां को अपराधी की खबरों के लिए बिटिंग में। अब व अंतरवार पढ़ते, न अपराधी की खबरें देखते, बता रहे हैं सच में अब बहुत शांतिमय महौल लगता है। अपराध सवादाका बोरेजार न हो जायें। कोई महीनों सिगरेट न पीये, तो हाँ सकता है कि सिगरेट से मन हट जाये। शराबी शराब पीना ही छोड़ दे, मसलन आदत का होता है। पीने की भी आदत होती है और न पीने की भी आदत होती है। शराब-सिगरेट के लाती लोग अगर पीना छोड़ देंगे, तो सरकारें खतरे में आ जायेंगी। शराबियों से तो बहुत कर मिलता है सरकारों को। एक शराब कारोबारी ने मुझे बताया कि अगर हम राष्ट्रहित चाहते हैं तो हमें शराबियों से अपील करकी जी, उसे अब पूरा कर दो। सरकारें तुहारी तरफ बहुत उम्मीदभरी निगाहों से देख रही हैं, पीयो और सरकारों को कर दो। बहुत काम बाकी है। सरकारों और तमाम शराब कारोबारियों की एक चिंता एक जैसी ही है—शराबी कहीं सदाचारी न हो जायें और शराब पीना न छोड़ दें।

इस आईपीएल में सफलता का पूरा भरोसा था: कृलदीप यादव

नई दिल्ली। भारतीय स्पिनर कृलदीप यादव ने कहा कि पिछले आयोजन अंधर में लटका है। साल बहुत अधिक मैचों में खेलने के कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग 2019 में बुनियादी बातों पर ध्यान नहीं दे पाए थे। लेकिन इस बार उन्हें इस टी20 ट्रॉफी में सफलता का पूरा भरोसा था। उन्होंने कहा कि वह पिछली बार सही योजना नहीं बना पाए, जिससे उन्हें अच्छा सबक मिला।

यह चाइनामैन गेंदबाज आईपीएल 2020 में सफलता के सबक यह रहा कि मैंने सत्र के लिए कोई योजना नहीं बनाई थी।

19 महामारी के कारण इस ट्रॉफी में आयोजन अंधर में लटका है। कुलदीप ने कहा, मैं आईपीएल 2020 के लिए पूरी तरह से तैयार था। मैंने इसके लिए अच्छी योजना बना रखी थीं। मैं इस आईपीएल में सफलता के प्रति 100 प्रतिशत आश्वस्त था। अपने पिछले सत्र के बारे में इस चाइनामैन गेंदबाज ने कहा, जब मैं आईपीएल में उत्तरा तो मैंने बहुत अभ्यास नहीं किया था। आईपीएल 2019 का सबसे बड़ा सबक यह रहा कि मैंने सत्र के लिए कोई योजना नहीं बनाई थी।

पीता हूं, मैं ग्रीन टी पीता हूं। मैंने केवल एक बार कफी पी और मेरे लिए बहुत महंगी सब्जियां हुई थीं। मैं शर्त लगा सकता हूं कि स्टारक्रस में इतनी महंगी कफी नहीं होगी। उस घटना के बाद से ही मैं कॉफी से कफी दूर रहता हूं।

इस लाइव चैट के दौरान हार्दिक के साथ उनके भाई और जीवनिएं अब वह ग्रीन टी पीते हैं। हार्दिक ने दिनेश कार्तिक के साथ इंस्ट्रायम चैट के दौरान यह बात कही। हार्दिक 2019 में कॉफी विद करण शो के बारे में बात कर रहे थे, जहाँ विवादित टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना हुई थी।

उन्होंने कहा, मैं कॉफी नहीं

पीता हूं, ये कैसे ही पालतू जानवरों के लिए चाहिए। एक नॉट एंड एक नॉट का प्रचार करने वाली ऋचा ने खुद घर पर बिल्लियां पाली हुई हैं। उन्होंने बताया, यह वास्तव में मूर्खतापूर्ण है। अगर आपके परिवार में किसी को कोविड-19 मिल जाता है तो आप 20 मिनट के लिए विस्तर पर लेटकर ही एक ऐसी किया कर सकते हैं, जिससे आपको बहुत राहत मिलेगी और तुरंत राहत मिलेगी...

अपाको यह करना है—

पैरों के दर्द को दूर करने के लिए सबसे पहले जलसी दूध को रोकर रखें। जितनी देर तक इस स्थिति में रह सकते हैं खुद को रोकर रखें।

हालांकि अपने शरीर के साथ जबरदस्ती ना करें। यानी खुद को देर तक इस स्थिति में रखने के लिए शरीर पर दबाव ना बनाएं।

कूछ देर बाद आप सांस छोड़ते हुए अपने पैर एक साथ नीचे लेकर आए।

अगर ऐसा करने में आपको दिक्कत हो रही हो तो आप दीवार का सहारा ले रहे हुए अपने पैर ऊपर की तरफ रोकर रखें।

इस दीवार अपने दोनों पैरों को हथियाँ ऊपर यानी आसामन की तरफ खुले रखें।



मुझे लगता है कि जब कोई व्यक्ति किसी जानवर को घर ले जाना चाहता है तो उसकी मानसिक स्थिति का एक बुनियादी अंकतन होना चाहिए। एक नॉट और एक नॉट का प्रचार करने वाली ऋचा ने खुद घर पर बिल्लियां पाली हुई हैं। उन्होंने बताया, यह वास्तव में मूर्खतापूर्ण है। अगर आपके परिवार में किसी को कोविड-19 मिल जाता है तो आप 20 मिनट के लिए विस्तर पर लेटकर ही एक ऐसी किया कर सकते हैं, जिससे आपको बहुत राहत मिलेगी और तुरंत राहत मिलेगी...

आपको यह करना है—

पैरों के दर्द को दूर करने के लिए सबसे पहले जलसी दूध को रोकर रखें। जितनी देर तक इस स्थिति में रह सकते हैं खुद को रोकर रखें।

हालांकि अपने शरीर के साथ जबरदस्ती ना करें। यानी खुद को देर तक इस स्थिति में रखने के लिए शरीर पर दबाव ना बनाएं।

कूछ देर बाद आप सांस छोड़ते हुए अपने पैर एक साथ नीचे लेकर आए।

अगर ऐसा करने में आपको दिक्कत हो रही हो तो आप दीवार का सहारा ले रहे हुए अपने पैर ऊपर की तरफ रोकर रखें।

इस दीवार अपने दोनों पैरों को हथियाँ ऊपर यानी आसामन की तरफ खुले रखें।

पैरों के दर्द को दूर करने के लिए सबसे पहले जलसी दूध को रोकर रखें। जितनी देर तक इस स्थिति में रह सकते हैं खुद को रोकर रखें।

हालांकि अपने शरीर के साथ जबरदस्ती ना करें। यानी खुद को देर तक इस स्थिति में रखने के लिए शरीर पर दबाव ना बनाएं।

कूछ देर बाद आप सांस छोड़ते हुए अपने पैर एक साथ नीचे लेकर आए।

अगर ऐसा करने में आपको दिक्कत हो रही हो तो आप दीवार का सहारा ले रहे हुए अपने पैर ऊपर की तरफ रोकर रखें।

इस दीवार अपने दोनों पैरों को हथियाँ ऊपर यानी आसामन की तरफ खुले रखें।

आपको यह करना है—

पैरों के दर्द को दूर करने के लिए सबसे पहले जलसी दूध को रोकर रखें। जितनी देर तक इस स्थिति में रह सकते हैं खुद को रोकर रखें।

हालांकि अपने शरीर के साथ जबरदस्ती ना करें। यानी खुद को देर तक इस स्थिति में रखने के लिए शरीर पर दबाव ना बनाएं।

कूछ देर बाद आप सांस छोड़ते हुए अपने पैर एक साथ नीचे लेकर आए।

अगर ऐसा करने में आपको दिक्कत हो रही हो तो आप दीवार का सहारा ले रहे हुए अपने पैर ऊपर की तरफ रोकर रखें।

इस दीवार अपने दोनों पैरों को हथियाँ ऊपर यानी आसामन की तरफ खुले रखें।

आपको यह करना है—

पैरों के दर्द को दूर करने के लिए सबसे पहले जलसी दूध को रोकर रखें। जितनी देर तक इस स्थिति में रह सकते हैं खुद को रोकर रखें।

हालांकि अपने शरीर के साथ जबरदस्ती ना करें। यानी खुद को देर तक इस स्थिति में रखने के लिए शरीर पर दबाव ना बनाएं।

कूछ देर बाद आप सांस छोड़ते हुए अपने पैर एक साथ नीचे लेकर आए।

अगर ऐसा करने में आपको दिक्कत हो रही हो तो आप दीवार का सहारा ले रहे हुए अपने पैर ऊपर की तरफ रोकर रखें।

इस दीवार अपने दोनों पैरों को हथियाँ ऊपर यानी आसामन की तरफ खुले रखें।

आपको यह करना है—